KHAN GLOBAL STUDIES

KHAN GLOBAL STUDIES

The Most Trusted Learning Platform

UPPSC – 2023

LIVE CLASSES

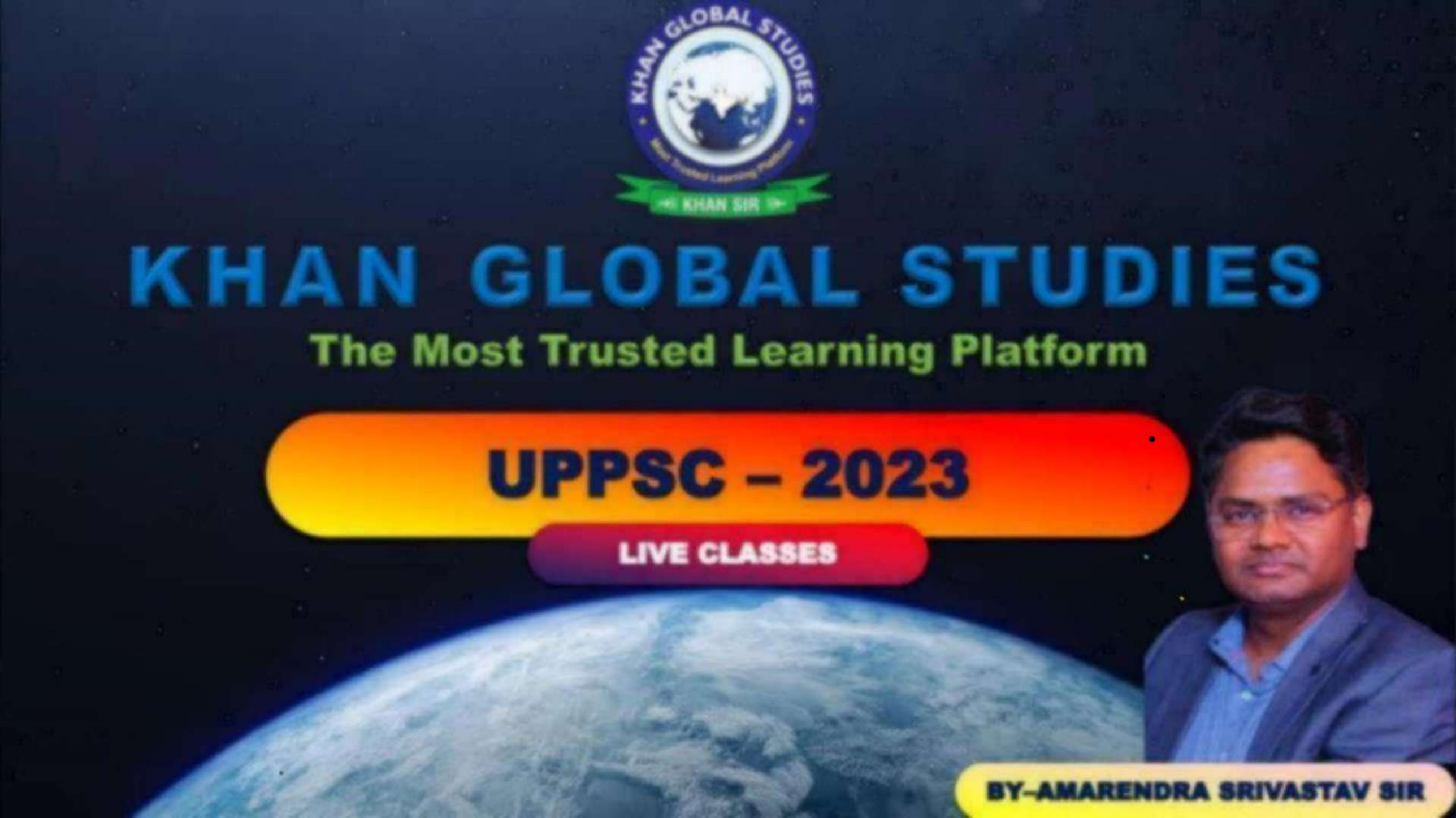

BY–AMARENDRA SRIVASTAV SIR

बौद्ध धर्म (Buddhism)

→ द्वीप भाग - - -

वज्रयान (Vajrayana)

→ महायान शाखा (Mahayana Branch)

→ अनुयायी (Follower) :- Vajra (वज्र)

→ देवी (Goddess) :- तारा (Tara) → गौतम बुद्ध की पत्नी के रूप में कल्पना की गयी

→ बौद्ध धर्म का तांत्रिक सम्प्रदाय

→ ग्रंथ :- मंजूश्री मूलकल्प (Manjushreemulakalpa)

→ शुरुआत - 5वी सदी में होता है।

→ केन्द्र :- - बिहार (Bihar)

- बंगाल (Bengal)

→ etc.

कालचक्रयान (Kalachakrayan)

- संस्थापक – मंजुश्री
- Founder – Manjushree
- देवता – कालचक्र
- Deity – Kalachakra
- किताब – कालचक्र तंत्र और विमल प्रभा
- Book – Kalachakra Tantra and Vimal Prabha

बौद्ध धर्म

① महासांघिक (Mahasanghika)

↓

महायान (Mahayana)

- Shunyavad / Madhyamika (शून्यवाद या माध्यमिक)
  → प्रवर्तक - नागार्जुन
- Yogachar / Vigyanvad (योगाचार / विज्ञानवाद)
  → प्रवर्तक :- मैत्रेयनाथ

- स्थविरवादी
  - हीनयान
    - सौतांत्रिक / वाह्य अनुमेय वाद (Sautantarika/Vahya Anumeyavad)
      - → प्रवर्तक :- कुमारलाल
    - वैभाषिक / वाह्य प्रत्यक्षवाद (Vaibhashika/Vahya Pratyakshavad)
      - → प्रवर्तक :- कात्यानीपुत्र

बौद्ध धर्म के संरक्षण देने वाले शासक

→ Bimbisara (बिम्बिसार)

→ Ajatashatru (अजातशत्रु)

→ Kalashoka (कालशोक)

→ Ashoka (अशोक)

→ Kanishka (कनिष्क)

→ Harsh Vardhan (हर्षवर्धन)

→ वत्सराज-उदयन

→ etc.

बौद्ध धर्म की महिला शिष्या :-

→ 1st → Prajapati Gautami (प्रजापति गौतमी)

→ Nanda (नंदा)

→ Kshema (क्षेमा)

→ Amrapali (आम्रपाली)

→ Vishakha (विशाखा)

→ etc.

प्रतीत्य समुत्पाद

- शाब्दिक अर्थ- प्रतीत्य (किसी वस्तु के होने पर) समुत्पाद (किसी अन्य वस्तु की उत्पत्ति) ।
- **Pratitya Samutpada literally means – Pratitya (being of a thing) Samutpada (originating of another thing).**
- जिस प्रकार दुःख समुदाय का कारण जन्म है उसी तरह जन्म का कारण अज्ञानता का चक्र है। इस अज्ञान रूपी चक्र को 'प्रतीत्य समुत्पाद' कहा जाता है।
- **Just as birth is the cause of sorrow community, similarly the cause of birth is the cycle of ignorance. This cycle of ignorance is called 'appearance origin'.**

प्रतीत्य समुत्पाद के 12 क्रम है जिसे द्वादश निदान कहा जाता है जिसमें सम्बन्धित है-

- जाति, जरामरण - भविष्य काल से
- अविद्या, संस्कार - भूतकाल से
- विज्ञान, नाम-रूप, स्पर्श, तृष्णा, वेदना, षडायतन, भव, उपादान - वर्तमान काल से
- There are 12 orders of Pratya Samutpada, which is called Dwadash Nidan, in which it is related-
- Caste, Jaramaran - from the future
- avidya, samskara - from the past
- Science, name-form, touch, craving, pain, conspiracy,bhava, subjunctive from the - present tense

➤ प्रतीत्य समुत्पाद में ही अन्य सिद्धान्त जैसे-क्षण-भंगवाद तथा नैरात्मवाद आदि

Other principles like moment-absence and selflessism etc. are included in the dependent origination itself.

➤ बौद्ध धर्म मूलतः अनीश्वरवादी हैं

Buddhism is basically atheistic.

➤ बौद्ध धर्म अनात्मवादी है इसमें आत्मा की परिकल्पना नही की गई है। यह पुनर्जन्म में विश्वास करता है।

Buddhism is anatmistic, it does not envisage a soul. It believes in reincarnation.

➤ बौद्ध धर्म ने वर्ण व्यवस्था एवं जाति प्रथा का विरोध किया।

Buddhism opposed the varna system and caste system.

➤ बौद्ध संघ का दरवाजा हर जातियों के लिए खुला था। स्त्रियों को भी संघ में प्रवेश का अधिकार प्राप्त था। इस प्रकार वह स्त्रियों के अधिकारों का हिमायती था।

The doors of the Buddhist Sangha were open to all castes. Women also had the right to enter the Sangh. Thus he was an advocate of women's rights.

M.Imp.

संघ (Sangha)

- उपसम्पदा - संघ में प्रविष्ट होने को उपसम्पदा कहा जाता था।
- **Upasampada- Entry into the Sangha was called Upasampada.**
- संघ की सभा में प्रस्ताव (नत्ति) का पाठ होता था ।
- **In the assembly of the Sangh, there was a recitation of resolution (Natti).**
- प्रस्ताव पाठ को अनुसावन कहते थे।
- **The proposal text was called Anusavan.**
- सभा कार्यवाही के लिए न्यूनतम संख्या 20 थी।
- **The minimum number for the proceedings of the assembly was 20.**

- संगठन गणतन्त्र प्रणाली पर आधारित था।
- The organization was based on the republican system.
- संघ में प्रवेश वर्जित- चोर, हत्यारों, ऋणी व्यक्तियों, राजा के सेवक, दास तथा रोगी व्यक्तियो
- The entry prohibited in the union- Thieves, murderers, indebted persons, king's servants, slaves and sick persons .
- बौद्धों के लिए उपवास के दिन- महीने के 4 दिन (अमावस्या, पूर्णिमा और दो चतुर्थी)
- Fasting days For Buddhists- 4 days of the month (New moon, full moon and two Chaturthi)

➤ अमावश्या, पूर्णिमा तथा दो चतुर्थी दिवस को उपोसथ ('रोया' श्रीलंका में) के नाम से जाना जाता है।

New moon, full moon and two Chaturthi days are known as Uposatha ('Roya' in Sri Lanka).

➤ बौद्धों का सबसे पवित्र त्यौहार- वैशाख पूर्णिमा (बुद्ध पूर्णिमा)

The most sacred festival of Buddhists -Vaishakh Purnima (Buddha Purnima).

➤ बुद्ध पूर्णिमा के दिन - बुद्ध का जन्म, ज्ञान का प्राप्ति एवं महापरिनिर्वाण की प्राप्ति

Day of Buddha Purnima- Born of Buddha , attained enlightenment and attained Mahaparinirvana.

बोधिसत्व (Bodhisatva)

- संस्कृत में, बोधिसत्व का अर्थ है " एक व्यक्ति जो बुद्ध बनने का इरादा रखता है।"
- In Sanskrit, bodhisattva means "a person who intends to become a Buddha." ,
- थेरवाद के अनुसार , बुद्ध ने अपने सभी अवतारों के दौरान स्वयं को बोधिसत्व के रूप में संदर्भित किया। पूर्ण ज्ञान प्राप्त करने के बाद ही उन्होंने स्वयं को बुद्ध घोषित किया।
- According to Theravada, the Buddha referred to himself as a bodhisattva during all his incarnations. It was only after attaining complete enlightenment that he declared himself Buddha.

अवलोकितेश्वर (Avalokiteshvara)

- करुणा का बोधिसत्व
- **Bodhisattva of Compassion**
- अवलोकितेश्वर बोधिसत्व को एक महिला के रूप में चित्रित किया गया है , जिसके हाथ में कमल है
- **Avalokiteshvara Bodhisattva depicted as a woman, holding a lotus**

मैत्रेय (Maitreya)

- भविष्य का बोधिसत्व
- Bodhisattva of the future
- तुसीता स्वर्ग में रहते हैं ,जो बौद्ध ब्रह्मांड विज्ञान के क्षेत्रों में से एक है
- Tusita resides in heaven, one of the realms of Buddhist cosmology.
- मैत्रेय बोधिसत्व का एक लोकप्रिय प्रतिनिधित्व लाफिंग बुद्धा है । इसे मैत्रेय का अवतार कहा जाता है
- A popular representation of Maitreya Bodhisattva is the Laughing Buddha. It is said to be an incarnation of Maitreya

वज्रपाणि (Vajrapani)

- वज्रपाणि वज्र धारण करने वाला बोधिसत्व
- Vajrapani Bodhisattva wielding the thunderbolt
- वह बुद्ध के चारों ओर तीन सुरक्षात्मक देवताओं में से एक है
- He is one of the three protective deities around the Buddha
- मानव रूप में वज्रपाणि को अपने दाहिने हाथ में वज्र पकड़े हुए दर्शाया गया है
- Vajrapani in human form is depicted holding a vajra in his right hand.

क्षितिगर्भ (Kshitigarbha)

- क्षितिगर्भ को प्राणियों का बोधिसत्व कहा जाता है
- Ksitigarbha is said to be the Bodhisattva of beings.
- संस्कृत में क्षितिगर्भ का अर्थ है " पृथ्वी का गर्भ "
- Kshitigarbha means "womb of the earth" in Sanskrit.
- वह उत्पीड़ितों, मरते हुए लोगों का उद्धारकर्ता और बुरे स्वप्न देखने वाला है
- He is the savior of the oppressed, the dying and the seer of nightmares

मंजुश्री (Manjushree)

- चीनी बौद्ध धर्म में, मंजुश्री को चार महान बोधिसत्वों में से एक के रूप में सम्मानित
- **In Chinese Buddhism, Manjushri is revered as one of the four great bodhisattvas.**
- मंजुश्री को पुरुष बोधिसत्व के रूप में दर्शाया गया है
- **Manjushri depicted as a male bodhisattva**
- यह प्रतिष्ठित छवि दाहिने हाथ में एक ज्वलंत तलवार "विभेदक प्रकाश की वज्र तलवार" और बाएं हाथ में पूर्ण खिले हुए नीले कमल के फूल को धारण करती है।
- **This iconic image holds a flaming sword "Vajra Sword of Discriminating Light" in the right hand and a blue lotus flower in full bloom in the left hand.**

सामंतभद्र (Samantabhadra)

- अभ्यास और ध्यान का बोधिसत्व
- **Bodhisattva of practice and meditation**
- सामंतभद्र, मंजुश्री और बुद्ध, मिलकर बौद्ध धर्म में शाक्यमुनि त्रिमूर्ति बनाते
- **Samantabhadra, Manjushri and Buddha together form the Shakyamuni Trinity in Buddhism.**

महात्मा बुद्ध का भस्म और अवशेष

- आठ भागों में विभाजन
- (1) वैशाली के लिच्छवि,
- (2) कपिलवस्तु के शाक्य,
- (3) रामग्राम के कोलिय,
- (4) वेट्ठदीप के ब्राह्मण,
- (5) कुशीनारा के मल्ल,
- (6) अलकप्पा के बुलीगण,
- (7) पिप्लीवन के मौर्य,
- (8) मगध का अजातशत्रु

पाँच बुद्ध (Five buddhas)

- बौद्ध दर्शन में यह सृष्टि विभिन्न चक्रों में विभाजित है। उसमें एक बुद्ध चक्र होता है तो दूसरा शून्य चक्र। हम बुद्ध चक्र में हैं।

1. ककुच्छानंद / Kakuchchananda
2. कनक भुंज/Kanak Bhunj
3. कश्यप/Kashyap
4. शाक्यमुनि/Shakyamuni
5. मैत्रेय (भावी बुद्ध)/ Maitreya (future Buddha)

दस शील (Ten Precepts)

- अहिंसा (Nonviolence)
- सत्य (Truth)
- अस्तेय (Asteya)
- अपरिग्रह (Aparigraha)
- ब्रह्मचर्य (Celibacy)
- नृत्य गान का त्याग(Sacrifice of dance and song)
- श्रृंगार-प्रसाधनों का त्याग(Giving up makeup)
- समय पर भोजन करना (eating food on time)
- कोमल शय्या का व्यवहार नहीं करना (no soft bed behavior)
- कामिनी कांचन का त्याग (Sacrifice of Kamini Kanchan)

जैनधर्म (Jainism):-

→ जैन शब्द → जिन से बना है।
(Jain word) ↳ अर्थ (Means):- विजेता (Winner)
- ↳ मन
- ↳ वचन
- ↳ काया

→ Total Tirthankara:- 24
(कुल तीर्थंकर)

→ founder (संस्थापक):- Rishabhdev | Adinath
(ऋषभदेव | आदिनाथ)

Rishabhdev (ऋषभदेव)

→ 1st Tirthankara (प्रथम तीर्थंकर)

→ Other Name (अन्य नाम) :- Adinath (आदिनाथ)

→ निवास :- अयोध्या (Ayodhya)

→ पुत्र (Son)

1. भरत (Bharat) :-
   - जैन मतानुसार इन्हीं के नाम पर भारत हमारे देश का नाम पड़ा।
2. बाहुबली (Bahubali) :-
   - जैन धर्म स्वीकार कर भिक्षु बन गये।
   - वास्तविक नाम- गोमतेश्वर (Gomateshwar)

↳ गोमातेश्वर की प्रतिमा (Idol of Gometshwar)

↳ Shravanbelgola, Karnataka)
(श्रवणबेलगोला, कर्नाटक)

↳ Built by Chamunda Rai
(चामुंडराय ने बनवाया था)

→ ऋषभदेव जी की मृत्यु :- Kailash Mountain.
(death of Rishabhdeva) (कैलाश पर्वत)